

---

# Devaih Kritam Shiva Stotram

—  
—  
देवैः कृतं शिवस्तोत्रम्  
—  
—

## Document Information



---

Text title : Devaih Kritam Shiva Stotram 2

File name : shivastotramdevaihKRRRitaM2.itx

Category : shiva, shivarahasya, stotra

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 13 | 370-381||

Latest update : April 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 28, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



देवैः कृतं शिवस्तोत्रम्



देवा ऊचुः -

नमो नमस्ते भगवन्महेश  
नमो नमस्ते भगवन्दयाब्धे ।  
नमो नमस्ते वृषभेन्द्रकेतो  
नमो नमस्ते निगमैकहेतो ॥ ३७० ॥

नमो नमस्ते भगवन्निरीह  
नमो नमस्ते भगवन्शरण्य ।  
नमो नमस्ते भगवन्वरेण्य  
नमो नमस्ते भगवन्सुरेश ॥ ३७१ ॥

नमो नमस्ते सकलान्तरङ्ग  
नमो नमस्ते धृतसुन्दराङ्ग ।  
नमो नमस्ते हतमन्मथाङ्ग  
नमो नमस्ते निगमानुषङ्ग ॥ ३७२ ॥

नमो नमस्ते गिरिजासमेत  
नमो नमस्ते गणनाथ वीर ।  
नमो नमस्ते जितकालसूत  
नमो नमस्ते हतसृष्टिभूत ॥ ३७३ ॥

नमो नमस्ते सुगुणाभिराम  
नमो नमस्ते धृतदिव्यधाम ।  
नमो नमस्ते धृतचारुसोम  
नमो नमस्ते परिपूर्णकाम ॥ ३७४ ॥

नमो नमस्ते सुखरूपमूर्तये  
नमो नमस्तेऽमितपुण्यकीर्तये ।  
नमो नमस्ते समवाप्तमूर्तये

नमो नमस्ते निहताखिलार्तये ॥ ३७५ ॥

नमो नमस्ते निहि(ह)तारिवृत्तये

नमो नमस्ते धृतदन्तिकृत्तये ।

नमो नमस्ते मुनिहृद्यवृत्तये

नमो नमस्ते सुरवन्द्यमूर्तये ॥ ३७६ ॥

नमो नमस्ते सुकृतप्रियाय

नमो नमस्ते गिरिजाधवाय ।

नमो नमस्ते वृषभध्वजाय

नमो नमस्ते वृषवाहनाय ॥ ३७७ ॥

नमो नमस्ते कलुषापहाय

नमो नमस्तेऽमितकामदाय ।

नमो नमस्ते पुरसूदनाय

नमो नमस्ते विबुधोत्तमाय ॥ ३७८ ॥

नमो नमस्तेऽगण्यविभूषणाय

नमो नमस्तेऽमितकारणाय ।

नमो नमस्ते समवीक्षणाय

नमो नमस्ते विषमेक्षणाय ॥ ३७९ ॥

नमो नमस्ते करुणाकराय

नमो नमस्ते कलिनाशकाय ।

नमो नमस्ते सकलौषधाय

नमो नमस्ते सकलामृताय ॥ ३८० ॥

नमो नमस्तेऽखिलमुक्तिदाय

नमो नमस्तेऽखिलसंस्तुताय ।

नमो नमस्तेऽखिलपूजिताय

नमो नमस्तेऽखिलरक्षकाय ॥ ३८१ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते देवैः कृतं शिवस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् उग्रारव्यः सप्तमांशः । अध्यायः १३ । ३७०-३८१ ॥

- ... shrIshivarahasyam ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 13 . 370-381


..


Notes:

Deva-s देवाः, who were panic stricken at the manifestation of the Kālakūṭa कालकूट (the poison produced during the Churning of the Ocean), eulogize Śiva शिव who appeared at the scene.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Devaih Kritam Shiva Stotram*  
pdf was typeset on April 28, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

